

भवन एवं अन्य नरिमाण कार्य से संबद्ध श्रमकि योजना

हाल ही में श्रम और रोजगार मंत्री ने राज्यसभा में एक लखित जवाब में भवन और अन्य नरिमाण से संबद्ध श्रमकि (रोजगार एवं सेवा की शर्तों का वनियिमन) अधनियिम, 1996 के वषिय में महत्त्वपूर्ण जानकारी साझा की।

भवन और अन्य नरिमाण से संबद्ध श्रमकि (रोजगार एवं सेवा की शर्तों का वनियिमन) अधनियिम, 1996:

- **परचिय:**
 - आमतौर पर BOCW अधनियिम के रूप में परचलति भवन और अन्य नरिमाण कार्य से संबद्ध श्रमकि (रोजगार एवं सेवा की शर्तों का वनियिमन) अधनियिम, 1996 नरिमाण क्षेत्र में श्रमकिों के अधिकारों तथा हतियों की सुरक्षा में अहम भूमिका नभिता है।
- **प्रमुख प्रावधान:**
 - कल्याण नधिका प्रबंधन करने और पंजीकृत श्रमकिों को दुर्घटना बीमा, चकितिसा सहायता, शकिषा, आवास, पेंशन आदि जैसे वभिन्न लाभ प्रदान करने के लिये राज्य कल्याण बोर्डों का गठन।
 - काम के घंटे तय करना, ओवरटाइम/समय से अधिक काम के लिये मज़दूरी, कुछ प्रकार के भवन अथवा अन्य नरिमाण कार्यों में कुछ व्यक्तियों के रोजगार पर प्रतबंध, पेयजल, शौचालय, मूत्रालय, आवास, क्रेच, प्राथमकि चकितिसा, कैंटीन आदि का प्रावधान।
 - प्रत्येक प्रतषिठान में सुरक्षा समतियों और सुरक्षा अधिकारियों की स्थापना एवं भवन नरिमाण श्रमकिों की सुरक्षा तथा स्वास्थय के लिये नयिम बनाना।
 - यह नरिमाण की लागत के 1-2% पर उपकर लगाने और संग्रह करने का प्रावधान करता है, जैसा कि केंद्र सरकार अधिसूचति कर सकती है।
- **पात्र लाभार्थी:**
 - इसके प्रावधानों के अनुसार, अठारह से साठ वर्ष की आयु का कोई भी श्रमकि, जो पछिले बारह महीनों में कम-से-कम नब्बे दिनों के लिये भवन या नरिमाण गतविधियों में लगा हो, राज्य कल्याण बोर्ड के साथ लाभार्थी के रूप में पंजीकरण के लिये पात्र है।
- **कार्यान्वयन:**
 - भवन तथा नरिमाण श्रमकिों के लिये जीवन और वकिलांगता कवर से लेकर स्वास्थय, [मातृत्व सहायता](#), पारगमन आवास तथा [कौशल विकास](#) तक कल्याणकारी योजनाओं का कार्यान्वयन, अधनियिम की धारा 22 के तहत राज्य/केंद्रशासति प्रदेश BOCW कल्याण बोर्डों को सौंपा गया है।
 - ये कल्याणकारी उपाय नरिमाण क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले श्रमकिों की आजीविका और कल्याण को बढ़ाने का प्रयास करते हैं।
- **पंजीकरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थति करने के लिये हालिया विकास:** सरलीकरण और पहुँच की आवश्यकता को पहचानते हुए सरकार ने पंजीकरण/नामांकन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिये वभिन्न उपाय पेश किये:
 - वशिषिट पहचान संख्या: पंजीकृत भवन और नरिमाण श्रमकिों के लिये एक वशिषिट पहचान संख्या (Unique Identification Number) की शुरुआत का उद्देश्य पहचान प्रक्रिया को सुव्यवस्थति करना तथा दक्षता बढ़ाना है।
 - स्थानीय सक्षम अधिकारी: स्थानीय, नगरपालिका और [पंचायत सत्रों](#) पर सक्षम अधिकारियों का प्रतनिधिमिडल या नयुक्ति अधिकि वकिेंद्रीकृत और सुलभ पंजीकरण प्रक्रिया में योगदान करती है।
 - स्व-प्रमाणन: स्व-प्रमाणन का अभ्यास श्रमकिों को पंजीकरण प्रक्रिया में तेज़ी लाने, **भौतिक उपस्थति की आवश्यकता के बिना सटीक जानकारी प्रदान करने** का अधिकार देता है।
 - सुवधि केंद्र और शविरि: पहुँच बढ़ाने के लिये सरकार ने नयिमति शविरि आयोजति करने के साथ-साथ **प्रमुख श्रम चौकों और अड्डों पर सुवधि केंद्र स्थापति किये**, जो श्रमकिों को नामांकन एवं अपनी जानकारी अपडेट करने के लिये एक सुवधिजनक साधन प्रदान करते हैं।

नरिमाण श्रमकिों से संबंधति अन्य सरकारी योजनाएँ:

- [नरिमाण श्रमकिों के कौशल विकास को बढ़ावा देने हेतु राष्ट्रीय पहल \(NIPUN\)](#)।
- भवन और अन्य नरिमाण श्रमकिों के लिये मॉडल कल्याण योजना और कार्यान्वयन मशीनरी को मज़बूत करने हेतु कार्य योजना।
- [प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन \(PM-SYM\)](#)।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/bocw-scheme>

